ओमशान्ति मीडिया

OM SHANTI GLOBAL FAMILY PLATINUM JUBILEE 75 BRAHMAKUMARIS 2011

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 13 अंक - 03 मई - 1, 2012 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.00 रु.

विश्व बंधुत्व की भावना को साकार रूप देता ब्रह्माकुमारीज् विश्व विद्यालय - मानिक

''जीवन जागृति आध्यात्मिक मेला'' का भव्य आयोजन

अगरत्तला। 'अमृत महोत्सव' का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए राज्यपाल महामहिम् डॉ.डी.वाई.पाटील, रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी पूर्णात्मानंद महाराज, त्रिपुरा युनिवर्सिटी के उपकुलपति प्रो.अरूणोदय साहा, परिवहन मंत्री मानीक डे, डॉ.निर्मला, ब्र.कु.शीला , ब्र.कु. कविता, त्रिनिडाड की डॉ.हेमलता, यू.के. के ब्र.कु.डेविड तथा अन्य।

अगरत्तला। ब्रह्माकुमारीज् संस्था की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सन् 2012 को 'प्लेटिनम जुबली' वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर देश-विदेश के भिन्न-भिन्न भागों में परमात्मा का संदेश देने के उद्देश्य से अनेकों कार्यक्रम तथा सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर अगरत्तला में सात दिवसीय ''जीवन जागृति मेला'' का आयोजन किया गया। जिसे संबोधित करते हुए त्रिपुरा के राज्यपाल डी.वाई.पाटील ने कहा कि यह संस्था बाधाई की पात्र है जो इतने लम्बे समय से मानव कल्याण का कार्य कर रही है। उन्होंने समाज के सर्व धर्मों से अपील करते हुए कहा कि यहां दी जा रही शिक्षा को वो अपने जीवन में धारण करें।

त्रिपुरा के 'चिल्ड्रेन पार्क' में आयोजित 'आध्यात्मिक मेले' का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री मानिक सरकार ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था पिछले 75 वर्षों से देश के अंदर और बाहर मानव सेवा का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय 'विश्व बंधुत्व' की भावना की आवश्यकता है। तभी समाज से बुराईयां दूर हो सकेगी। उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह इस राज्य का सौभाग्य है कि यहां इस प्रकार के आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है जो मानव को श्रेष्ठ मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने आगे कहा कि आध्यात्मिक मूल्य व निरंतर साधना के तप से ही जीवन को निखार जा सकता है। मानसिक धरातल पर शुद्ध विचारों का निर्माण करना और नकारात्मकता को जड़ से निकाल फेंकना यह विश्व विद्यालय सीखाती है। मुझे आशा है कि आने वाले दिनों में इस विश्व विद्यालय में दी जाने वाली शिक्षा सारे संसार में अनुकरणीय बनेगी। क्योंकि ये शिक्षा सिर्फ भौतिकता तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह मानव में मूल्यों का बीज डालने का कारगार उपाय भी बताती है जिससे मानव में सभ्यता और शांति का बल प्रदान करता है।

त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय के उप-कुलपति प्रो.अरूनोदय साहा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज् एक ऐसा विश्व विद्यालय है जहां 'वैल्यूज्' की शिक्षा दी जाती है। इस शिक्षा के द्वारा ही व्यक्ति सभ्य बन सकता है। वर्तमान समय जो विश्वविद्यालय हैं वो इस प्रकार की शिक्षा देने में असमर्थ हैं।

माउण्ट आबू में ज्ञान सरोवर एकेडमी की निदेशिका डॉ.निर्मला ने कहा कि हम सब एक परमात्मा की संतान हैं और विश्व हमारा परिवार है। जब हम इस भावना के साथ कार्य करेंगे तब समाज से भ्रष्टाचार, बुराई तथा अशांति जैसी अनेक बीमारियां स्वत: ही दूर हो जायेगी। उन्होंने कहा कि परमात्मा इस धरा पर अवतरित होकर मानव मस्तिष्क की विकृतियों से छुड़ाता है और मन में श्रेष्ठ व रचनात्मक संकल्पों का बीज बोकर सृजनात्मक कार्य कराता है। कहा जाता है कि मनुष्य विचार से चलता है विचारों को ही शुद्ध और सकारात्मक बना दिया जाये तो कैसी भी परिस्थितियों में वे अपनी मूलत: स्थिति में भी रहकर कार्य कर पाने में सक्षम हो पाता है। इस समय परमात्मा अपना विशेष कार्य कर रहे हैं जिससे मनुष्य देवतुल्य बन जाता है। जहां अप्राप्त कोई वस्तु नहीं होती। ये समय है परमात्मा के साथ सम्बन्ध जोड़ अपना भाग्य बनाने का। यदि हम स्वयं को आत्मा समझकर परमात्मा को याद करेंगे तो हमारा भी जीवन श्रेष्ठ बन जायेगा।

इस आध्यात्मिक मेले में अनेक प्रकार की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, रक्तदान शिविर, मद्यपान से होने वाले नुकसान, वातावरण के प्रति जागरूकता लाने के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। परमात्म शक्ति की अनुभूति तथा राजयोग का अभ्यास करने के लिए 'शांति कुटीर' बनाया गया। जहां लेजर शो के द्वारा मानव के उत्थान और पतन की कहानी दिखाई गई। इसके अलावे एक 'यज्ञ कुण्ड' भी बनाया गया जिसमें लोगों ने अपनी बुराईयों को लिखकर डाला और कभी भी व्यसनों का सेवन न करने की प्रतिज्ञा भी की। इस अवसर पर श्रेष्ठ जीवन की शिक्षा देने के उद्देश्य से सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस मेले को देखने के लिए स्थानीय नागरिकों के अलावे पड़ोसी देश बांग्लादेश से भी हजारों लोग आये।

इस सात दिवसीय कार्यक्रम को गोवाहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एस.सी.दास, परिवहन मंत्री मानिक डे, सामाजिक कल्याणमंत्री विजिता नाथ, रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी पूर्णात्मानंद महाराज, जिलाधिकारी किरण गिट, म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन की कमिशनर फूलन भट्टाचार्य, महिला आयोग की निभा देब वर्मन, पूर्णिमा रॉय, ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर ब्र.कु.शीला, त्रिनिडाड की डॉ.हेमलता, ब्र.कु.मधु, ब्र.कु.जोनाली, यू.के. के ब्र.कु.डेविड सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अगरत्तला। 'प्लेटिनम जुबली' के अवसर पर स्वागत नृत्य की प्रस्तुति देते हुए स्थानीय कलाकार।